5. भारतमाता

कवि :- सुमित्रानंदन पंत

जन्म – 20 मई 1900, अलमोड़ा जिले के रमणीय स्थल कौसानी मे हुआ।

माता - सरस्वती देवी

पिता – गंगादत्त पंत

प्रारंभिक शिक्षा → आस-पास के स्कूल में

हाईस्कूल की शिक्षा - बनारस से

निधन - 28 दिसंबर 1977 ई० को |

→ जन्म के 6 घंटे के बाद इनकी माँ की मृत्यु हो गयी थी |

→ सके पिता कौसानी री स्टेट मे एकांउटर थे |

→ पंतजी आजीवन इलाहबाद में रहे थे |

→ पंत जी प्राकृति और सौंदर्य के प्रेमी है |

→ पंतजी को सुकुमार कवि भी कहा जाता है | यह छायावादी कवि तथा मानवतावादी विचार के थे |

→ पंतजी अतीताबादी एवं सकीर्णता के घोर विरोधि थे |

प्रमुख रचना – पल्लव उच्चावास ,वीणा, ग्रंथि गुंजन, युगांत 'स्वर्णधुली, स्वर्णकला, युगपथ, चिंदमय आदि

→ चिदंबरा कास्य पर इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला |

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191

*भारतमाता कविता ग्रामिया से लिया गया है |

→ पंतजी नाटक, गया है आलोचना, कहानी, उपन्यास आदि लिखते थे|

→ इस कविता मे पंतजी यथार्थ चित्रण खिचें है |

(i) भारतमाता ग्रामवासिनी

खेतों में फैला है श्यामल

धूल-भरा मैला - सा आँवला

गंगा-यमुना में आँसू जल

मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी |

अर्थ :- कवि पंत जी भारतीय ग्रामीणों की दुर्दशा का चित्र प्रस्तुत करते हुए कहते है कि भारत की आत्मा गाँवों में निवास करता है | जहाँ खेत हरे भरे रहते है | गंगा - यमुना के जल उनकी व्यथा के प्रतीक है। सीधा, साधा किसान दयनीय दशा के कारण अपनी दुर्गमय पर आँसु बहा रहे रहे हैं |

(II) दैन्य जड़ित अपलक नत चितवन

अंधेरों मे चिर नीख रोदन

युग - युग के तम से विपन्न मन

अपने घर वह अपने मे प्रवासिनी ।

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191

अर्थ :- गरीबी से चेतन शून्य, जिसकी दृष्टि बिना पलक गिराय हुए झुकी हुई है |जिसके होंठों मे दीर्घकालीन शब्दहीन रोदन हो |युगों के गुलामी रूपी अन्धकार से विषादमय मन वाली है भारतमाता आप अपने घर में ही विदेशी हुई।

(iii) तीस कोटि सन्तान नग्न तन

अर्ध सुधित, शोषित, निरस्त्रजन

मूढ असभ्य ,अथिक्षित निर्धन

नत मस्तक तरु-तल निवासिनी

अर्थ - आपके तील करोड़ संतान जिनके वस्त्रहीन नग्न शरीर है | आधा पेट खाकर रहने वाले है| शोषित, निहत्था, भूखे, असभ्य, अशिक्षित और निर्धन है |इसलिए हे भारत माता आप झुकी मस्तक वाले पेड़ के नीचे निवास करने वाली सट्टथ लग रही है |

(iv) स्वर्ण शस्य पर-पद-तल लुंठित ; धरती-सा सहिष्णु मन कुठित

क्रंदन कंपित अध्य मौन स्मित राहू ग्रसित शरदेन्दू हासिनी।

अर्थ :- हे भारत माता आपकी स्वर्णिम फसल दूसरे के पेड़ के नीच रौंदा जा रहा है धरती की तरह सहनशील, गतिहीन, मनवाली रुलाई से काँपता हुआ मौन मुस्कान के लिए अधरवाली राहु ग्रसित शरद पूर्णिमा की तरह वह हँसी वाली आप दिखती है |

Objective -

1. भारत माता किसकी कविता है ?

Ans - सुमित्रानंदन पंत की

2. सुमित्रानंदन पंत का जन्म कब हुआ।

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191

Ans - 1900

3. पंतजी के पिता का नाम क्या था।

Ans – गंगादत्त पंत की

4. सुमित्रानंदनपंत के माता का नाम क्या था ?

Ans - सरस्वती देवी

5. भारतमाता कविता मे भारत का कैसा प्रस्तुत किया है ?

Ans - यथातथ्य

6. भारत माँ के खेष्ठ मुख की तुलना कवि ने किससे

Ans - छायायुक्त चंद्र से

7. पंतजी प्रख्यात है ?

Ans - छायावादी

8. पांतजी को किस रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला।

Ans – चिंदवारा

9. पंतजी की प्रमुख काव्यकृति क्या है ?

Ans - उच्छवास साम्या, चिंदबाय

10. पंतजी द्वारा रचित कविता भारत माता किस काव्य से संकलित है ?

Ans – ग्राप्या

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191

11. पंतजी के अनुसार भारतमाता है ?

Ans - अपने घर मे प्रवासिनी

12. किस कवि का आरंभिक काव्य प्रकृति और सौंदर्य के प्रेमी कवि की संवेदनशील अभिव्यक्ति से परिपूर्ण है ?

Ans - सुमित्रानंदन पंत

13. जन्म के 6 घंटे के बाद किनकी माता का देहान्त हुआ था ?

Ans - पंत जी

14. प्रकृति सौन्दर्य की कविता के लिए प्रख्यात कवि कौन थे ?

Ans - सुमित्रानंदन पंत

15. कवि पंत जी के अनुसार गंगा यमुना मे क्या प्रवाहित होते है ?

Ans - आँसु जल

16. पंत जी के अनुसार भारतमाता किसकी मूर्ति है ?

Ans - उदास माटी की

17. किस कवि के पिता कौसानी री स्टेट मे एकाउंटर थे ।

Ans - सुमित्रानंदन पंत के

18. पंत जी मिट्टी की प्रतिमा उदासिनी किसे कहा है ?

Ans - भारतमाता को

- Subjective -

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191

1. भारतमाता अपने ही घर में प्रवासिनी क्यों बनी हुई है ?

Ans - भारतमाता अपने ही घर में प्रवासिनी बनी हुई है क्योंकि भारत के लोगों पर अत्याचार कर रहे है और यह चुपचाप देख रही है जैसे कि कोई मेहमान या प्रवासी किसी दूसरे के घर पर चुपचाप देखती है |

2. कविता में कवि भरतवासियों का कैसा चित्र खींचता है ?

Ans – कवि सुमित्रानन्दन पंत के अनुसार भारत के 30 व्यापक लोग फटे पुराने वस्त्र पहने है | आधा पेट भोजन करते है, वे शोषित, बिना वस्त्र के मुर्ख और असभ्य है | वे अंग्रेजों के सामने नतमस्तक है |और वृक्ष के नीचे निवास करने के लिए मजबूर है |कवि यही चित्र खींचते है |

3. भारतमाता का हास्य भी राहु ग्रासित क्यों दिखाई पड़ती है ?

Ans – भारतमाता का हास्य भी ग्रसित दिखाई पड़ता है, क्योंकि भारतमाता पर उगे स्वर्ण जैसे फसल को भी अंग्रेज के पैरों तले रोंदा जा रहा है |

4. कवि भारतमाता को गीता प्रकाशनी मानकर भी ज्ञान मुद क्यों कहता है ?

Ans - भारत विश्व के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक ग्रंथ गीता को प्रकाशित करने वाला देश है। परंतु वर्तमान यही लोग मुर्ख और असभ्य है, इसलिए कवि भारतमाता को गीता प्रकाशिनी मानकर भी ज्ञानमूद कहा है |

5. कवि कि दृष्टि में आज भारत का तप संयम क्यों सफल है ?

Ans – कवि को आज भारतमाता का तप संयम सफल होता हुआ दिख रहा है ,क्योंकि उसे ऐसा लगता है कि गांधीजी भारतमाता का अहिंसा रूपी दूध पीकर लोगों को अंग्रेज से बचाने आए है |

Pdf, Notes OR Test Series लेने के लिए हमें WhatsApp करे - 7488296191